



ब्रह्मपुत्र बुलेटिन



संस्करण
32 वां
जनवरी-मार्च
2024

मुख्यालय
गुवाहाटी
फ्रंटियर

जीवन पर्यंत कर्तव्य



सी.सु.बल



फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी



महानिरीक्षक की कलम से



प्रिय सीमा प्रहरियों,

मुझे प्रसन्नता है कि गुवाहाटी फ्रंटियर की तिमाही पत्रिका "ब्रह्मपुत्र बुलेटिन" के 32वें संस्करण के माध्यम से मुझे अपना संदेश सीमा प्रहरियों तक पहुँचाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है।

इस तिमाही के दौरान आप सभी के सहयोग और कठिन परिश्रम से फ्रंटियर का प्रदर्शन न केवल सक्रियात्मक स्तर पर बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी सराहनीय रहा है। इस दौरान हमारे बहादुर सीमा प्रहरियों ने उच्चकोटि की कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए पूरी मुस्तैदी एवं बहादुरी से अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

गत तिमाही के दौरान सीमा प्रहरियों ने सक्रियात्मक गतिविधियों के साथ – साथ अन्य गतिविधियों जैसे गणतंत्र दिवस समारोह, रोजगार मेला, लोहड़ी एवं बसंत पंचमी के साथ विभिन्न सिविक एक्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

वर्तमान में बड़ी संख्या में कम्पनीयों की तैनाती लोकसभा चुनाव में लगने के कारण सीमाओं पर जनशक्ति की अत्यधिक कमी महसूस की जा रही है जिससे आगामी समय काफी चुनौतीपूर्ण होगा तत्पर, अपनी गतिविधियों को बढ़ाने का प्रयास करेंगे, परन्तु मुझे पूर्ण विश्वास है कि चाहे कितनी भी विषम परिस्थितियाँ आये, हमारे प्रहरियों के हौसले सदैव बुलंद रहेंगे एवं वे प्रत्येक चुनौती का सामना दृढ़ता से करते हुए सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते रहेंगे।

अंत में मैं, आप सभी प्रहरियों एवं आपके परिजनों को अपनी शुभकामनाओं के साथ उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय भविष्य की कामना करता हूँ साथ ही संपादक मंडल द्वारा किये गए अथक प्रयासों की सराहना करते हुए इस संस्करण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

जय हिन्द।



दिनेश कुमार

दिनेश कुमार यादव(भा.पु.से.)
महानिरीक्षक, सीसुबल
फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी



फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी



उप महानिरीक्षक(सामान्य) की कलम से



मेरे लिए यह बहुत हर्ष का विषय है कि मैं गुवाहाटी फ्रंटियर की तिमाही पत्रिका "ब्रह्मपुत्र बुलेटिन" का 32वां संस्करण प्रस्तुत कर रहा हूँ। इस पत्रिका के माध्यम से आप सभी को गत तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) के दौरान सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, अधीनस्थ सेक्टर मुख्यालयों तथा बटालियनों की महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध करवाने का एक प्रयास किया गया है।

गुवाहाटी सीमान्त का सीमावर्ती इलाका विभिन्न भौगोलिक एवं आर्थिक विषमताओं के कारण काफी संवेदनशील होने और विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद सीमा पर तैनात सीमा प्रहरियों की सतर्कता के फलस्वरूप तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) के दौरान गुवाहाटी सीमांत द्वारा 319.34 किलो ग्राम गांजा, 1414 मवेशी, 16801 बोतल फेंसिडील एवं 2383 नग याबा टेबलेट जब्त किये गये। इसके अतिरिक्त 25 भारतीय एवं 08 बांग्लादेशी तस्करों को पकड़ने में भी सफलता प्राप्त हुई।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि "ब्रह्मपुत्र बुलेटिन" का 32वां संस्करण अपने उद्देश्य में सफल एवं सार्थक सिद्ध होगा। मैं सभी पाठकों से अनुरोध करता हूँ कि इस पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भेजने का श्रम करें।

सभी सीमा प्रहरियों एवं उनके परिवारजनो को सुखमय भविष्य की शुभकामनाएं।

जय हिन्द



G.

कुलवंत राय शर्मा

उप महानिरीक्षक (सामान्य)
फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी



विशिष्ट अधिकारियों का आगमन



दिनांक 12-02-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी में केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा रोजगार मेले के माध्यम से सरकारी नौकरियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण किया गया ।



दिनांक 09-02-2024 को महानिरीक्षक गुवाहाटी ने श्री निशित प्रमानिक केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री भारत सरकार से कूचबिहार में मुलाकात कर सुरक्षा सम्बंधित विषयों पर चर्चा की ।



दिनांक 22-01-2024 को श्री आरपी गीणा अतिरिक्त महानिदेशक, (एच.आर.) ने फ्रंटियर गुवाहाटी में अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की ।



दिनांक 16-03-2024 को श्री रवि गोंधी विशेष महानिदेशक, (पूर्वी कमान) ने फ्रंटियर गुवाहाटी का भ्रमण किया।



दिनांक 18-01-2024 को डॉ. टी बिस्वास, अतिरिक्त महानिदेशक (विकिर्सा) ने फ्रंटियर गुवाहाटी का भ्रमण किया।



सक्रियात्मक उपलब्धियाँ



(जनवरी-मार्च 2024)

सीमा सुरक्षा बल गुवाहाटी फ्रंटियर का जिम्मेवारी का इलाका जिला कूचबिहार (पश्चिम बंगाल) से जिला दक्षिण सालमारा मनकावर (असम) तक भारत-बांग्लादेश सीमा पर 509 कि०मी० है। भारत और बांग्लादेश के बीच निर्दिष्ट अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित करने के लिए गुवाहाटी फ्रंटियर में 11 बटालियन और 80 विभिन्न प्रकार के वॉटरक्राफ्ट के साथ एक जल स्कंध भी तैनात है।

पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती जिलों की सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक गतिशीलता एक दूसरे से भिन्न होने के कारण दोनों का सुरक्षा परिदृश्य अलग-अलग है। इसके अलावा गुवाहाटी सीमांत के जिम्मेवारी के क्षेत्र में सीमावर्ती जिलों पश्चिम बंगाल में कूचबिहार, असम में धुबरी और दक्षिण सालमारा मनकावर का भौगोलिक भूभाग भी एक दूसरे से पूर्णतः भिन्न है।

जहाँ कूचबिहार का इलाका समतल और मैदानी है जहाँ मुख्य नदियाँ तिस्ता, जलढाका, तोरसा, कालजनी और रैंडक उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर बहती है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र में बहुत से गाँव तारबंदी के आगे जीरो लाइन के निकट बसे होने के कारण सीमा प्रबंधन में काफी चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं। वही धुबरी का इलाका ब्रह्मपुत्र नदी के कारण जलमग्न तथा तारबंदी के बिना होने के कारण विशेष चुनौती भरा है। जहाँ कई गाँव एवं सीमा चौकियाँ नदी के मध्य वर भूमि पर स्थित हैं।

गुवाहाटी फ्रंटियर की अधिकांश कम्पनियाँ लोकसभा चुनाव 2024 में तैनात होने व सीमा पर नफरी कम होने के बावजूद विषम परिस्थितियों में भी हमारे जवानों ने मुस्तैदी, प्रतिबद्धता, लगन एवं कर्मठता के साथ कुशल सीमा प्रबंधन किया है। जिसके परिणामस्वरूप गत तिमाही में (जनवरी-मार्च 2024) में कुल 1414 नग मवेशी, 16801 बोटल प्रतिबंधित फेंसिडिल, 319.34 कि०ग्रा० गांजा व 2383 नग याबा टेबलेट की जब्ती करने में सफलता प्राप्त हुई।

साथ ही 25 भारतीय व 08 बांग्लादेशी तस्करो को गिरफ्तार किया गया।



सक्रियात्मक उपलब्धियाँ सेक्टर मुख्यालय गोपालपुर



दिनांक 17-01-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुरखा सूचना के आधार पर सीमा चौकी-सिताई, 75वीं वाहिनी द्वारा जब्ती - 700 बोतल फेंसीडिल सिरप, 01 - ई रिक्शा ।



दिनांक 19-03-2024 को 75वीं वाहिनी सीमा चौकी-काइमारी द्वारा जब्ती- 01 नम मोबाइल फोन, गिरफ्तारी, 01- बांग्लादेशी नागरिक ।



दिनांक 27-03-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुरखा सूचना के आधार पर सीमा चौकी- रतनपुर, 169वीं वाहिनी गिरफ्तारी- 02 भारतीय तस्कर ।



दिनांक 09-01-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुरखा सूचना के आधार पर सीमा चौकी- बुयबुरी, 169वीं वाहिनी गिरफ्तारी- 01 भारतीय तस्कर जब्ती- 02 गवेशी।



दिनांक 17-01-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुरखा सूचना के आधार पर सीमा चौकी-सिताई, 157वीं वाहिनी द्वारा जब्ती - 478 बोतल फेंसीडिल सिरप ।



दिनांक 25-03-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुरखा सूचना के आधार पर सीमा चौकी-फुलबारी, 157वीं वाहिनी द्वारा जब्ती -149 बोतल फेंसीडिल सिरप, 50 बोतल एस्कफ सिरप ।



सक्रियात्मक उपलब्धियाँ सेक्टर मुख्यालय कूचबिहार



दिनांक 18-01-2023 को फील्ड "जी" टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर 138वीं वाहिनी की सीमा चौकी-सबरी द्वारा जल्ती -185 बोतल प्रतिबंधित एस्कफ सहित 14 कि.ग्रा मांजा।



दिनांक 01-02-2024 को फील्ड "जी" टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर 138वीं वाहिनी की सीमा चौकी शिकरी द्वारा जल्ती कुल - 933.24 ग्राम वजन के 08 नम सोने के बिस्किट।



दिनांक 11-03-2024 को फील्ड "जी" टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी-बी.जी.जोय, 129वीं वाहिनी द्वारा जल्ती- 9.8 कि.ग्रा. मांजा।



दिनांक 05-02-2024 को फील्ड "जी" टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर 14वीं वाहिनी की सीमा चौकी झाऊकुटी द्वारा जल्ती- 1750 कि.ग्रा. चीनी।



दिनांक 08-02-24 को 90वीं वाहिनी की सीमा चौकी दरीबास द्वारा जल्ती- 09 मवेशी।



दिनांक 28-03-23 सीमा चौकी-जलजली, 14वीं वाहिनी द्वारा जल्ती 06 मवेशी।



सक्रियात्मक उपलब्धियाँ सेक्टर मुख्यालय धुबरी



दिनांक 14-01-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुरखा सूचना के आधार पर 45वीं वाहिनी की सीमा चौकी - बोरेअल्गा द्वारा जब्ती 6400 कि.ग्र. चीनी ।



दिनांक 20-01-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुरखा सूचना के आधार पर 45वीं वाहिनी की सीमा चौकी - बोरेअल्गा द्वारा जब्ती 5500 कि.ग्र. चीनी सहित 01 ई.एफ.सी. नाव।



दिनांक 30-03-2024 को सीमा चौकी-सालापास, 49वीं वाहिनी द्वारा सीमा पार तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 1178 बोतलें शराब की जब्ती की गई।



दिनांक 18-02-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुरखा सूचना के आधार पर 49वीं वाहिनी की सीमा चौकी - सालापास द्वारा सीमा पार तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 20 गवेशियों की जब्ती की गई।



दिनांक 14-01-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुरखा सूचना के आधार पर 19वीं वाहिनी की सीमा चौकी - तिस्तापास द्वारा जब्ती - 01 नेकों लिपकली कुल मूल्य लगभग 10 लाख रुपये।



दिनांक 31-03-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुरखा सूचना के आधार पर स्पेशल ऑप्स के दौरान 19वीं वाहिनी की सीमा चौकी भोगडोर द्वारा 10,67,691, रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों की जब्ती ।



EMBRACING WILDLIFE



“Embracing Wildlife” A Personal Journey with the Border Security Force

In India’s dynamic landscape, where the boundaries blur between security and wildlife conservation, a remarkable journey unfolds. Join me as we delve into the heart of the Border Security Force (BSF), where the call of duty harmonizes with a profound love for nature.

As the sun beats down relentlessly, parched lands bear witness to a struggle beyond borders. Yet, amidst the scorching heat, a heartening sight unfolds. Alongside BSF jawans, impassioned souls fill guzzlers, tanks, and dried ponds, offering respite to wildlife from the unforgiving elements. It's a humble gesture, but one that speaks volumes about our shared commitment to safeguarding not only our nation but also its precious biodiversity.

But the story doesn't end there. Along the porous India-Bangladesh border, a different battle unfolds—one against wildlife smuggling. Here, amidst the bustling trade routes, the BSF stands vigilant. Their unwavering resolve has led to significant seizures, rescuing countless gecko lizards, parrots, pigeons, and more from the clutches of exploitation.

In a world where every creature counts, partnerships are paramount. That's where organizations like WCS-India step in. Through collaborative efforts and shared expertise, they've joined hands with the BSF to combat wildlife trafficking along our borders. It's a partnership forged in the fires of dedication and a shared vision for a better, safer world.

But amidst these triumphs lie challenges. The border is not just a line on a map; it's a living, breathing ecosystem. Here, encounters with wild elephants are not uncommon, and the BSF's role transcends mere security. It's about protecting lives, both human and animal. A recent flag meeting between the BGB and BSF underscores this shared responsibility. Together, they strategize to mitigate the impact of wild elephant activities and resolve border-related issues, one step at a time.

Yet, amidst the chaos, there are moments of profound connection. The BSF's love for wildlife shines through, as they share images of a deer roaming freely along the border. It's a poignant reminder that in the vast expanse of our nation, every life is cherished, every creature finds sanctuary.

As I reflect on this journey, one thing becomes abundantly clear: the Border Security Force is not just a shield; it's a beacon of hope for both our nation and its wildlife. Through their unwavering dedication, they weave a tapestry of protection, where every thread tells a story of resilience, compassion, and unwavering courage.

In conclusion, the journey of the BSF is not just about securing borders; it's about embracing the wild spirit that defines our nation. It's about forging bonds, bridging divides, and standing shoulder to shoulder in the face of adversity. Together, we navigate the intricate dance between security imperatives and wildlife conservation, forging a path towards a brighter, more sustainable future—for our nation, for our wildlife, and for generations yet to come.



Dr Vinay Yadav commandant (Vet) is a DE officer of Veterinary cadre who joined BSF in 2006. He did his MVSc(Microbiology) thesis by studying on 78 Indian Elephants and has vast experience in wildlife. Officer has served in Frontier Rajasthan, Punjab, Jammu, Kashmir, M&C. He is presently serving at Guwahati Frontier.



MYSTIC OF CHARLAND



The chirping melodies of the birds break the dawn and the sun emerged from the eastern horizon painting the landscape with hues and as the day progresses, the sun ray falls on the waves of the calm and turbulent water of the mighty Brahmaputra river rushing hurriedly to Bangladesh. The vast and barren landscape of sand carpets the bank of the Brahmaputra river and one can see floating fishing boats everywhere, naked children gleefully play on the sand and jump into the river and swim like aquatic birds, unaware and oblivious, about the outside world; the innocence of childhood is best exemplified by the children of the Charland. They wear a permanent smiles in their face and casually waves and salutes smartly to the BSF personnel who stood all along the IB (International boundary). As they play and swim in the turbulent water, they never swim across the IB (International Boundary) as if the Children have mastered "The Thalweg theory". Due to the flow of the mighty Brahmaputra from India into Bangladesh, this part of the IB is totally riverine and unfenced.

The Imaginary line in the minds of the children for years demarcate the IB. The children of Charland have been the force multiplier to the Border Security Force nevertheless they have been the source of inspiration for many years and will continue to play an important role to withstand the force of nature, which shapes the Charland for generations.

Villagers have entwined their lives with the mighty Brahmaputra and the many Charlands. And in a layman definition, Charlands are landmasses formed through the sedimentation of huge amount of sand, silt and clay over time carried by the Brahmaputra river especially in Bangladesh and India.

Four centuries, Brahmaputra river has been the lifeline of Assam and Bangladesh, the Brahmaputra river shapes the demography and topography of Assam in particular and Bangladesh in general, above all the Brahmaputra river basin offers Assam and Bangladesh a wide swath of fertile and navigable river, allowing an inexpensive means to transport goods within and beyond its borders.

The Brahmaputra river also unveils a dark history with intriguing tales which defines the rich historical and cultural ethos of Assam and Bangladesh. When it comes to border, Border Security Force (BSF) is synonymous with Indo-Bangladesh border and a Border man be it be the lowest BSF rank personnel or the top most echelon of Border Security Force, has many vivid moments and many untold stories wrapped in memories. One such moment is the beautiful landscape and topography of a non-descript village of Barmanpara, a tiny village parched in one of the many Charlands formed by the mighty Brahmaputra. The district HQ Dhubri is approx. 40 km away from Barmanpara and there is no communication/transportation and boats are the only means to reach the shores of Dhubri. Barmanpara and the many adjoining villages in the Indo-Bangladesh remains insignificant to the outside world even after 75 years of Independence. The present state of affair with no infrastructure developments like road, electricity, water supply, or any good schools have forced people from the border belt to migrate, looking for greener pasture.

Unfortunately, no attempts have been made to document the vivid history of the Charland, the people and their myriad tales of the Charlands. A humble attempt has made to locate and identify the persons who could dig the past and narrate the history of Barmanpara.

Fortunately Dineswar Rai, now 55 yrs laid stone throw away from the BSF Camp. With eyes



soaked, the fragile man recollects – there used to be more than 800 Hindu Families residing in Barmanpara and its adjoining villages of Pattamari, Bhogdore, Kalahat, Kalapakani, Dighaltari, Sastraghat and only Takkimari used to an exclusive Muslim village. Today the Charland houses only 07 (seven) Hindu Families, dusting off an old tattered file, Dineswar Rai unveils the documentary proof and account that, his father late Kailash Chandra Rai had 445 bighas of land in Barmanpara late in 1930s. But, today he is left out with only 15 bighas of cultivable land in the Charland. Besides Barmanpara, there are many other villages of Pattamari, Bhogdore, Digaltari, Sastraghat. Interestingly there were more than 800 Hindu families and Muslim population was slightly lower than the Hindu. Pattamari village was once a bustling market where business was thriving, people from Bangladesh frequent the market on daily basis. There used to be a motorable link road from Dhubri town to Pattamari market and the road further linked up to Madarganj in Bangladesh.

There were two (02) Marwari traders late Jatmal Uthwal and Parmal Uthwal who had large warehouses in Pattamari village. There were also three (03) families of Bihar origin who had shops in the market and the population was teeming with Bengalis, Majis, Rajbonshis and Muslim population.

Safiur Rahman, a 70 years retired school teacher of Pattamari School has reminiscences of



his early days in Pattamari village, where he used to play with many Bengali Hindu Boys in Pattamari village school which was established in 1905. His father late Jahiruddin Ahmad also studied in the same school before 1930s and thereafter became a teacher. Safiur Rahman followed his father's footsteps became a student and later became a teacher at Pattamari school.



Abdul Gofur Sheikh (70 years) resident of village Sastraghat has more interesting tales to tell, he longs on the heyday of youth when he used to play marbles with the legendary Hindi Pop singer late Bappi Lahiri, who later became famous for popularising disco music in Indian Cinema.

Though the official record of late Bappi Lahiri's birth place is Jalpaiguri, West Bengal, however Abdul Gofur Sheikh, Sofiur Rehman and Girish Chandra Rai claimed to have studied together at Pattamari School. By their accounts Bappi Lahiri's father Aparesh Lahiri was a land lord who owned more than 500 bighas land before India's independence in 1947 and with the demarcation of the IB, half of the land went to then East Pakistan (Now Bangladesh). Today, the rich and fertile and the ancestral property of Late Bappi Lahiri is a barren sand field during winter/dry season and remains inundated by flood water of mighty Brahmaputra.

Girish Chandra Rai, a 70 Yrs old retired Assam Policeman now stays at Dharamshala near Dhubri town, legendary music composer and singer Late Bappi Lahiri and his parents left the Charland and settled in Jalpaiguri, WB in 1960s. Over the years starting from 1950s to 1990s almost all the Hindu population except for the 07 (seven) Hindu Families at Barmanpara have left the Charland and migrated to every nook and corner of Assam even upto Lakhimpur, the eastern most district in Assam.



A Border man (BSF personnel) or an outsider visiting for the first time would not believe how the life has changed in the Charland. The demographic pattern has changed and Muslim population dominates 99.5% in the Charland. Mosques and Madrassas have sprung up in every nook and corner of the Charland. The vivid account of Dinishwar Rai, Safiur Rahman, Girish Chandra Rai and Abdul Gofur Sheikh can be easily negated as their accounts seem to be contradictory or irrelevant as one can see the Charland villages teeming with Muslim population.

For a moment, to understand the Charland is like traversing a tunnel of time engaging in conversation with the calm and turbulent water of the Brahmaputra river, the deep essence of the Charlands. Here, time solidifies and the secrets of Charland which is so mystic and the external traces are engraved in the hearts and minds of the people living here for generations. The country boats of the villagers and the mechanised boats of the BSF, the children, young and old serves as a witness to time guarding the memories and hopes of the Mystic Charlands. The Charland is not a piece of landmass it's a thick book recording old lives and new lives embracing the profound Assamese culture



Sh. Wong Kiyang, Dy Commandant, is a DE officer who joined BSF in 2005. He did his MA(English) from Delhi University. Officer has served in Frontier Shillong, North Bengal, ANO (Chattisgarh), Punjab and deputation to Arunachal Pradesh Police. He is presently posted as DC(G) SHO BSF Dhubri.



अन्य गतिविधियाँ



दिनांक 08-03-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी में विश्व महिला दिवस के अवसर पर शहीदों की वीरंगनाओं को सम्मानित किया तथा हेअर स्टाइल प्रतियोगिता एवं कुकिंग प्रतियोगिता एवं रंगारंग कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।



दिनांक 14-01-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी में बच्चों के मध्य सामाजिक मीडिया जानकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 17-02-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी बाबा अध्यक्ष की उपस्थिति में टेलरिंग कोर्स का आयोजन किया गया।



दिनांक 14-02-2024 को फ्रंटियर गुवाहाटी के अंकुर प्ले स्कूल में बसंत पंचमी का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।



जनकल्याण कार्यक्रम



दिनांक 14-02-2024 को रानी एस्कोलैंड रोड गुवाहाटी पर सड़क दुर्घटना की जानकारी पर बीएसएफ गुवाहाटी फ्रंटियर के जवानों ने त्वरित कार्यवाही की तथा घायलों को सीएपीएफ कंपोजिट अस्पताल पहुँचाकर अमूल्य प्राणों की रक्षा की।



दिनांक 13-01-2024 को 19वीं वाहिनी के सीमा प्रहरियों ने सीमावर्ती गाँव पद्मगारी और दिगलतरी - II के स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की आसान आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के पर बांस के पुल का निर्माण किया।



दिनांक 17-02-2024 को 49वीं वाहिनी के अन्तर्गत सीमावर्ती गाँव मोल्हापारा में लगी भीषण आग को सीमा प्रहरियों द्वारा काबू किया गया व घायलों को नर्सिंग स्टाफ द्वारा फर्स्ट ऐड देने के पश्चात बीएसएफ वोट एम्बुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल पहुँचाया।



दिनांक 26-12-2024 को उप महानिरीक्षक कूचबिहार द्वारा 14वीं वाहिनी के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए प्रतियोगी पुस्तकों का वितरण किया गया।



दिनांक 07-01-24 से 10-01-24 तक 31वीं वाहिनी एवं सीमान्त वेतना मंत्र के सहयोग से मोलकगंज स्टेडियम में छुबड़ी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र की युवतियों को निशुल्क भारती पूर्व प्रशिक्षण प्रदान किया।



जनकल्याण कार्यक्रम



दिनांक 07-01-2024 को 90वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें आर.ओ., पानी टंकी, सिलाई मशीनें, खेतीबाड़ी यंत्र व खेलकूद सामग्री का वितरण किया गया।



दिनांक 21-01-2024 को 14वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत बॉर्डर पर रहने वाले ग्रामीणों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।



दिनांक 07-01-2024 को 45वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।



दिनांक 22-01-2024 को 138वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत सीमावर्ती स्कूल के बच्चों को कंप्यूटर, खेलकूद सामग्री व स्टेशनरी का वितरण किया गया।



दिनांक 06-02-2024 को 19वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के बच्चों को खेलकूद सामग्री व स्टेशनरी का वितरण किया गया।



दिनांक 09-02-24 को 31वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के दौरान बॉर्डर पर रहने वाले दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर बांटी गई।



सेवा समाचार



पुरस्कार

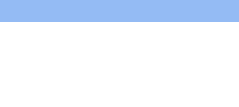
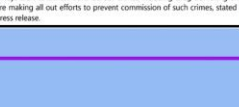
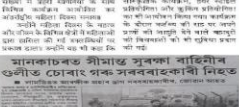
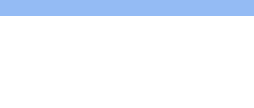
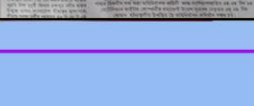
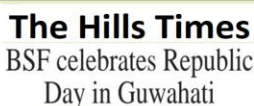
	महानिदेशक प्रशस्ति पत्र	महानिरीक्षक प्रशस्ति पत्र	महानिरीक्षक नगद पुरस्कार
अधिकारी	03	44	—
अधि अधिकारी	03	115	56
जवान	08	21	293
कुल	14	180	349

पदोन्नति (प्रथम तिमाही-2024)

DC		2IC		01
AC		DC		02
SI		INSP		04
ASI		SI		33
HC		ASI		32
CT		HC		57
CT/TM		HC/TM		15

सेवानिवृत्ति (प्रथम तिमाही-2024)

अधिकारी	03
अधि० अधिकारी	31
जवान	51





अध्यक्ष
संपादक मंडल
 श्री दिनेश कुमार यादव (भा.पु.से.)
 महानिरीक्षक, गुवाहाटी फ्रंटियर

उपाध्यक्ष मुख्य संपादक
 श्री कुलवंत राय शर्मा,
 उप महानिरीक्षक (सामान्य)

संपादक
 श्री मनोज कुमार यादव
 द्वितीय कमान अधिकारी (सामान्य)
 श्री सुबोध रोकड़े
 उप कमा० (इमेज इन्ट)

संपादकीय समिति
 निरीक्षक (सामान्य) बिजेन्द्र कुमार शर्मा
 सह० उप निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह

डिजाइन
 आरक्षक अमित कुमार
 आरक्षक राकेश कुमार



pro.bsfguwahati.ftr@gmail.com

facebook ID - Bsf Guwahati Ftr

Twitter user ID-@BSF_Guwahati

bsfguwahatifrontier

(फोटोग्राफी- गुवाहाटी फ्रंटियर के अधीन समस्त सेक्टर एवं बटालियनों के फोटोग्राफरों के सहयोग से)